

परमस्याम्. 1) adj. f. स्त्री a) der fernste, äusserste, letzte: परावत् RV. 4, 50, 3. 10, 95, 14. VS. 11, 72. एतद् परमं ह्यं पत्सकृत्तयोऽज्ञानम् ÇAT. Br. 9, 1, 1, 28. परैषीतु पथा वृकः परमेणात तस्करः AV. 4, 3, 2. अग्निर्वै देवानाम-
वमो विष्णुः परमः der fernste und höchste AIT. Br. 1, 1. अयम, मध्यम, परम RV. 4, 108, 9. 10. 27, 5. सद्यस्य 108, 8. 8, 11, 7. पद 1, 22, 20. 72, 2. व्योमन् 7, 5, 7. 5, 63, 1. रजस् 7, 99, 1. 3, 30, 2. जन्मन् 2, 9, 3. सं परमान्स-
मवमानथो सं यामिव मध्यमान् AV. 6, 103, 2. मात्रा ÇAT. Br. 10, 2, 2, 8. 11, 1, 6. 16. गति 2, 6, 4, 3. स परमं लोकमजपत् AIT. Br. 1, 21. ÇAT. Br. 14, 7, 4, 31. इमं च लोकं परमं (= परं) च विन्दति Kām. Nīris. 3, 37. पाद RV. Prāt. 16, 86. परमप्रकृति das äusserste, letzte, erste Thema Schol. zu P. 4, 1, 155. — b) der vorzüglichste, ausgezeichnetste, höchste, beste, grösste, ärgste, summus: = पर H. an. 3, 469. MRD. m. 47. = अग्रसर, प्रथम H. an. = प्रधान, आद्य विद्या im ÇKD. प्रप्पु VS. 4, 26. परमो ऽश्वः परमात् ÇAT. Br. 13, 3, 2, 1. गावः RV. 5, 47, 4. 4, 23, 10. ऊति 6, 25, 1. वसु 7, 32, 16. धिया परमया 6, 38, 3. अग्निरीशे वाजस्य परमस्य रायः 4, 12, 3. 7, 60, 11. निधि 2, 24, 6. ब्रह्मन् ÇAT. Br. 14, 6, 40, 6. 7, 4, 31. 32. एतद् परममत्रं पद्दधि मधु धतम् 9, 2, 2, 12. देवतं M. 9, 319. वपुम् N. 13, 27. धर्म M. 1, 108. N. 26, 7. Hir. 19, 22. गति M. 4, 14. 6, 88. 93. 96. 8, 420. R. 1, 37, 21. सि-
द्धि M. 7, 1. मन्त्र 58. प्रमाण 2, 13. तपस् 167. 229. 6, 70. R. 1, 37, 2. मेधा MBh. 3, 14008. प्रीति N. 13, 39. मुद् 24, 46. द्युति 12, 52. धर्म परमा स्थि-
तिः 5, 37. विस्मय 19, 23. R. 1, 2, 1. बल N. 20, 5. पत्र M. 8, 302. 9, 16. वैषम्य N. 9, 20. वैल्लव्य 23, 21. दुःख, ज्वर BRĀHMAN. 1, 15. परमेणा चेत-
सा so v. a. mit ganzem Herzen: तथा हि रामं वनवासनिश्चितम् — परमे-
णा चेतसा R. 2, 24, 36. Mit seinem subst. (das seinen Ton bewahrt) compo-
nirt P. 2, 1, 61. gaṇa काष्ठादि zu P. 8, 1, 67. °चिकित्सर्क ÇAT. Br. 11, 5, 3, 1. °सौगत Kathās. 27, 12. °वैल्लव्य 36, 10. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 542. °माकेश्वर 539. °ब्रह्मण्य 539. 542. °भागवत Bhāg. P. 5, 1, 6. परमाङ्गना N. 3, 15, 12, 44. R. 2, 25, 26. परमाप्सरस् 1, 63, 4. °वारी Daç. 2, 3. पूरुष Bhāg. P. 1, 7, 7. परमायन 2, 6, 2. परमोत्सव INDR. 5, 23. परमा-
कुलता VID. 187. परमोजसा R. 1, 34, 5. परमवापेठेन केशित् so v. a. aus vollem Hulse LĪTJ. 9, 8, 15. परम, wie पर mit einem ablat. verbunden, vorzüglicher, grösser, ärger: को ऽन्यो ऽस्ति परमः शिवात् MBh. 13, 793. किं न्वतः (so ist zu lesen) परमं दुःखं पत् 1, 6196. यस्मान्न परमं भू-
तं वानेरधिक् विद्यते R. 6, 3, 17. 22. — 2) n. am Ende eines adj. comp. (f. स्त्री) das äusserste —, höchste Maass: सकृत्परमो भूतिम् höchstens 1000 betragend MBh. 2, 2080. सप्तदशावराः, चतुर्विंशतिपरमाः höch-
stens 24 Schol. zu KĪTJ. Ça. 103, 24. Hauptbestandtheil, das Vorwie-
gende: आद्यानां मांसपरमं मध्यानां गोरसोत्तरम् । तैलोत्तरं दरिद्राणां भो-
जनम् vorzugsweise aus Fleisch bestehend MBh. 3, 1143. स्वकार्यं ganz mit seinen Obliegenheiten beschäftigt M. 6, 96. कामोभोगः° Bhāg. 16, 11. चित्ता° MBh. 1, 5774. निःश्रास° nichts als seufzend N. 2, 2. MBh. 1, 4613. MĀN. P. 62, 7. — 3) परमम् adv. a) Partikel der Bejahung, Ein-
willigung, ja wohl, schön, gut AK. 3, 5, 12. H. 1540. H. an. MRD. अयि तुष्यति ते पुत्रि ब्राह्मणाः परिचर्याया । तं सा परममित्येव प्रत्युवाच MBh. 3, 17056. fg. परमं सौम्यमित्युक्तं ताभ्याम् 12, 1056. ततः परममित्युक्ता प्रतस्थे Kumāras. 6, 35. — b) im comp., vor einem adj. oder partic. mit abgeworfener Flexionsendung, in hohem Grade, überaus, sehr: °शोभन MBh. 3, 2798. N. 5, 26. °मन्युमत् 9, 5. परमात्मवत् R. 1, 46, 18. 37, 9.

58, 12. °संमत BRĀHMAN. 2, 25. °संकृष्ट N. 13, 48. °प्रीति AR. 2, 11. R. 1, 1, 41. 52, 1. °संतुष्ट 1, 84. °दुःखित N. 22, 28. °क्रुद्ध R. 1, 54, 19. BRAHMA-
P. in LA. 49, 2. 51, 10. 53, 4. VID. 17. Spr. 1233.
परमक (von परम) adj. (f. परमिका) der vorzüglichste, höchste, beste, grösste, ärgste, summus: सखा R. 4, 35, 13. गुरु MBh. 1, 7267. धर्म 3, 13695. तपस् 10710. तेजस् 5, 2391. दान 13, 3410. सिद्धि 1, 614. 3, 4068. 18, 182. 201. गति 1, 6133. मुद् 4858. 7602. INDR. 5, 59. चित्ता MBh. 13, 1479. कर्ष 7, 1761. आर्ति 5, 7228. दुःख 4, 619. Fälschlich पारमकं पद्म् 13, 3350 und दुःखं परमिकम् BRĀHMAN. 1, 16; vgl. MBh. 1, 6124.
परमक्रान्ति (प° + क्रान्ति) f. = परक्रान्ति; °ऽद्या der Sinus der gröss-
ten Declination Schol. zu ŚRĪJAS. 2, 28.
परमक्रोधिन् (प° + क्रो) adj. überaus zornig; m. N. pr. eines der Viçve Devāḥ MBh. 13, 4357.
परमगव (प° + गो) m. ein vorzüglicher Stier VOP. 6, 47.
परमज्ञौ f. in der Stelle: ये प्रह्लाः पञ्चजनीना येषां तिस्रः परमज्ञाः TS. 1, 7, 12, 1. Nach dem Comm. = प्रकृति, wahrscheinlich aber Entstellung aus परावतः; vgl. RV. 8, 32, 22. AV. 6, 75, 3.
परमज्ञ्या (प° + 2. ज्ञ्या) adj. die höchste Obergewalt habend, von Indra RV. 8, 79, 1. निन्दित्वाश्रः प्रपथी परमज्ञ्या मधस्य 1, 30.
परमणि (पर + म°) m. N. pr. eines Prinzen KATHĀRĀVA in Verz. d. Oxf. H. 154, a, 45.
परमता (von परम) f. die höchste Stellung, oberste Würde: सर्वेषां देवानां श्रेष्ठमतिष्ठं परमतामगच्छत् AIT. Br. 8, 14. 19. ÇAT. Br. 1, 6, 4, 17. 2, 2, 2, 5. 3, 1, 2, 12. 14, 4, 2, 23. 8, 12, 1. 2. स्वाध्यायो क्वि तेषां परमता काष्ठा Gīp̄felpunkt und Ziel 11, 3, 2.
परमद्रु (प° + द्रु) m. = अगुरु Amyris Agallocha; so ist wohl sl. परमद्रु zu lesen H. ç. 129.
परमनन्द (प° + न°) m. N. pr. eines Lehrers Verz. d. B. H. No. 1045. Es ist viell. परमानन्द zu lesen.
परमल्ल s. परमात्र.
परमन्यु (पर + म°) m. N. pr. eines Sohnes des Kakshēju HARIV. LANGL. I, 140. °मन्यु ed. Calc. 1669.
परमपरम (प° + प°) adj. der allervortrefflichste, allerhöchste: पुरुष Bhāg. P. 5, 3, 9.
परमपुरुष (प° + पु°) m. der höchste Geist: °प्रार्थनामञ्जरी Titel einer Sammlung von Gebeten, die an Viṣṇu und andere Gottheiten gerichtet sind, MACK. Coll. I, 141.
परमब्रह्मचारिणी (प° + ब्र°) f. Bein. der Durgā H. ç. 48.
परममदुल् (प° + म°) adj. unendlich gross JOGAS. 1, 40. — Vgl. प-
रमाणु.
परमरस (प° + रस) m. = तक्र Buttermilch mit Wasser gemischt H. ç. 99.
परमर्मज्ञ (पर - मर्मन् + ज्ञ) adj. die geheimen Pläne, — Absichten des Andern kennend KULL. zu M. 7, 154.
परमर्षि (परम + ऋषि) m. der grösste Weise: परमर्षयस्तु भेलाद्याः TRIS. 2, 7, 16. इत्याहुः परमर्षयः MBh. 13, 2106. देवाः सगन्धर्वाः सिद्धाश्च परमर्षयः INDR. 2, 10. देवर्षयः सर्वे सिद्धाश्च परमर्षयः SUND. 3, 1. SĀMĀHĀK. 69. BRAHMA-P. in LA. 36, 15.